شری اشفاق حسین (مہاراج گنج):
سیتا پور اور اسکے آس پاس کے کئی ہزار ایکڑ کھیتی کی بھومی بڑی نہروں کے لیک کے کارن پانی میں ڈوب جاتی رہی ہے جس سے کسانوں کو بھینکر چھتی اٹھانی پڑتی ہے - اس سدن کے مانئے سدسیئے شری رام لال راہی نے اس سمسیا کے سمادھان ہیتو گلے تک پانی میں بیٹھ کر انشن پرارمبھ کر دیا ہے - انکی دشا چنتا جنک ہے -

SHRI RAM VILAS PASWAN: What is this? Why is it lying on the Table?

SHRI CHANDRAJIT YADAV: There is the question of the dignity of the House. I am very sorry that an Opposition member has put such a kind of thing in the House. There is some dignity for the House, which should be maintained. It should not be allowed to be put on the Table.

PROF. N. G. RANGA: Whatever may be the merits of the case, if there is any truth in that statement that no doctor has gone to examine him, that is a very serious matter. Kindly direct the Government to see that there is medical assistance given.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot direct the Government.

Now Shri Ashfaq Hussain may continue his statement.

شری اشفاق حسین : سرکار کی اور سے کوئی ڈاکٹر یا ادھیکاری ابھی تک وہاں نہیں پہنچا ہے - ہزاروں لوگ شری راہی کے ساتھ پانی میں بیٹھے ہوئے انشن کر رہے ہیں انکے جیون کی رکشا کے لئے تتکال پربھاوی کاروائی کرنی چاہئے تاکہ جن سمسیا کا بھی سمادھان ہو سکے اور شری راہی کی پران رکشا ہو جائے -]

(v) VIOLATION OF PRESCRIBED LEGAL PROCEDURES IN PROCESSING LOAN APPLICATION BY BANKS

श्री बाबू राव परांजपे (जबलपुर) : केन्द्रीय सरकार के बीस सूत्री कार्यक्रम एवं अन्य आर्थिक सामाजिक कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन का भार शासकीय अधिकारियों के अतिरिक्त बैंक अधिकारियों के कंधों पर भी है । इन कार्यक्रमों का उद्देश्य करोड़ों लोगों को ऊपर उठाना है तथा इनके माध्यम से गरीबों के शोषण एवं दरिद्रता को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है । भारत भर में दूर अंचलों में खुली बैंकों की शाखाओं में कार्य करने वाले अधिकारीगण उनकी सफलता के लिए योगदान दे रहे हैं ।

तथापि देखा जा रहा है कि स्थानीय अधिकारीगण ऋण के आवेदनों पर कार्यवाही करने में कानूनी प्रक्रिया को ताप पर रखने के लिए बैंकों को प्राय: बाध्य कर रहे हैं और वे कुछ मामलों में तो उन्हें मनगढ़ंत आरोप लगाकर जेल तक भेज देते हैं ।

उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए मैं वित्त मंत्री जी से निम्न उपाय करने की प्रार्थना करता हूं :—

1. सरकार अपने अधीन कार्य करने वाले विभिन्न अधिकारियों के लिए ऋण वितरण के संबंध में एक आचार संहिता जारी करे, जिसकी सूचना सभी बैंक अधिकारियों को उनके प्रशासनिक कार्यालयों के माध्यम से दी जाए ।

2. बैंक अधिकारियों के ऊपर जो भय और आतंक है उसे समाप्त किया जाए एवं उन्हें बैंकों के नियमों के विपरीत कार्य करने के लिए बाध्य नहीं किया जाए ।

[श्री बाबुराम परांजपे]

3. शासकीय अधिकारियों द्वारा गल्त ऋण आवेदनों की अनुशंसा करने पर उन्हें जवाबदार ठहराया जाए एवं उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए ।

(vi) NEED FOR PROVIDING ADEQUATE COMPENSATION AND EMPLOYMENT TO DISPLACED PERSONS IN CHHOTANAGPUR AREA OF BIHAR

प्रो० अजित कुमार मेहता : (समस्तीपुर) : सदियों से वन्य क्षेत्र का और वनवासियों का शोषण होता रहा है । पर्यावरण की परवाह किये बिना ही वन सम्पदा की अनियमित और अवांछित लूट होती रही है । इसमें लाखों आदिवासियों और वनोपज से जीवन निर्वाह करने वाले लाखों लोगों के अस्तित्व की रक्षा का भी ध्यान नहीं रखा गया । अभी भी अधिकांश जनसंख्या अपढ़, अंधविश्वास और परम्परा के पोषक हैं तथा इतने निरीह हैं कि जब विकास कार्य अथवा नया उद्योग धंधा लगाने हेतु उनकी भूमि का अधिग्रहण कर लिया जाता है तो वे जमीन से उखड़े वृक्ष के समान बे-सहारा हो जाते हैं । एक तो उन्हें अपनी जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलता दूसरे वे किसी नये धन्धे में जम नहीं पाते और मजदूरी करने को बाध्य हो जाते हैं ।

आज जंगल का क्षेत्र, अनुसूचित जनजाति का इलाका छोटा-नागपुर उजड़ने को है । इस उजाड़ ने आदिवासी समुदाय को अपने परंपरागत अधिकारों से वंचित कर उनकी रोजी-रोटी पर प्रश्न-चिन्ह लगा दिया है ।

अतः अनुसूचित जनजाति एवं वनोपज जीवी की जीवन की सुरक्षा एवं उन्नति के लिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि विस्थापित परिवारों को उचित मुआवजा देने के साथ ही उन्हें सम्मानपूर्ण जीवनयापन करने के लिए रोजगार में लगाने की शर्त मुआवजे के साथ जोड़ी जाए तथा जंगल सम्बन्धी कानून सख्ती के साथ लागू किये जाएं और रैयती लकड़ी की बिक्री केवल वन विभाग से ही करने की अनिवार्यता उसके मालिकों के लिए हो ।

(vii) NEED FOR PREVENTING POLLUTION OF RIVER JAMUNA AT MATHURA

श्री दिगम्बर सिंह (मथुरा) : यमुना नदी का पानी असाधारण रूप से गंदा हो गया है । देश के हर क्षेत्र से लोग मथुरा आते हैं और यमुना में स्नान करते हैं । बहुत से मथुरा निवासी भी नित्य प्रति यमुना में स्नान करते हैं । अनेक महात्मा ऋषि और मुनि भी यमुना में स्नान करते हैं । मथुरा पर यमुना के पानी को साफ रखने के लिये जनता और संसद सदस्य मांग करते रहे हैं । मंत्री महोदय आते हैं वह भी इस समस्या के हल का आश्वासन दे जाते हैं । इसी प्रकार अनेक वर्ष से वृन्दावन के पुल की बात हो रही है । उसका सर्वे भी हो गया है । अब तक के भूतपूर्व और वर्तमान सब मुख्य मंत्रियों ने आश्वासन दिये हैं किन्तु केन्द्रीय सरकार से सहायता न मिलने के कारण काम पूरा नहीं हो पाता । अतः केन्द्रीय सरकार से प्रार्थना है कि यमुना के पानी की पवित्रता की रक्षा और यमुना के पुल के लिये उत्तर प्रदेश सरकार को यथेष्ट आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा करें ।

———